भारत - हांगकांग संबंध

पृष्ठभूमि :

हांगकांग के साथ भारत के संबंध ऐतिहासिक हैं तथा 1840 के दशक से चले आ रहे हैं जब प्रथम अफीम युद्ध के परिणामस्वरूप नैंकिंग की संधि के बाद हांगकांग ब्रिटिश उपनिवेश बना। 19वीं शताब्दी (1840 से) के मध्य से स्थापित व्यापारिक संबंधों से आज संबंध के दायरे में निवेश, वित्त पोषण, सेवा, समुद्री, जहाजरानी, संभारतंत्र, संस्कृति, शिक्षा एवं व्यापार जैसे अनेक क्षेत्र शामिल हैं। हांगकांग में भारतीय आयोग की स्थापना 1951 में की गई तथा 1 जुलाई, 1997 को चीन का हांगकांग पर संप्रभुता कायम करने से पूर्व 15 अक्टूबर, 1996 को इसका नाम बदलकर ''भारत का महाकांसुलावास'' कर दिया गया। इस कांसुलावास का मकाऊ के लिए मान्य प्राप्त है, जो 19 दिसंबर, 1999 को पुर्तगाल के संप्रभुत्व से निकलकर चीन के संप्रभुत्व में आ गया।

राजनीतिक :

हाल के वर्षों में हांगकांग ने भारत के आर्थिक विकास तथा विश्व में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रूप में इसकी स्थिति में गहरी रुचि प्रदर्शित की है। यहां उम्मीद यह है कि आने वाले वर्षों में भारत में आर्थिक सुधारों के गहन होने से भारत - हांगकांग संबंध गहन होने चाहिए तथा व्यापार एवं आर्थिक संबंधों का विस्तार होना चाहिए। अक्टूबर 2010 में ग्वांगडोंग प्रांत के राज्यपाल के साथ हांगकांग के तत्कालीन मुख्य कार्यपालक डोनाल्ड तसांग के नेतृत्व में एक कारोबारी शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया।

भारत और हांगकांग के बीच आर्थिक भागीदारी के स्तर को बढ़ाने तथा व्यवसाय, निवेश एवं जन दर जन संपर्कों को गति प्रदान करने के लिए हांगकांग के मुख्य कार्यपालक (सी ई) सी वाई ल्यूंग ने महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री के निमंत्रण पर 2 से 4 फरवरी 2016 के दौरान भारत का आधिकारिक दौरा किया। यह हांगकांग के किसी कार्यपालक की पहली आधिकारिक यात्रा थी। उन्होंने अनेक क्षेत्रों से 40 कारोबारी प्रतिनिधियों के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया जो किसी कार्यपालक के साथ आने वाला सबसे बड़ा शिष्टमंडल था। अपनी यात्रा के दौरान मुख्य कार्यपालक ने माननीय प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने भारत और हांगकांग के वाणिज्य चैंबरों द्वारा आयोजित कारोबारी कार्यक्रमों को भी संबोधित किया।

हांगकांग में बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा जहाजरानी क्षेत्र में भी कई भारतीय पेशेवर हैं। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के ग्यारह और निजी क्षेत्र के तीन बैंक फिलहाल हांगकांग में प्रचालनरत हैं। भारत में प्रचालनरत अनेक वैश्विक वित्त प्रमुख कंपनियां, निवेश संस्थाएं और निधि प्रबंधकों का हांगकांग में क्षेत्रीय मुख्यालय है। हांगकांग भारतीय कंपनियों के लिए एक प्रमुख स्रोत केंद्र भी है तथा यह भारत से मदों का आयात करके उन्हें मुख्यभूमि (मेनलैण्ड) चीन को निर्यात करने वाले राष्ट्र भी बन गया है।

द्विपक्षीय करार :

हांगकांग के साथ हुए करारों में निर्णयों का परस्पर प्रवर्तन संबंधी करार (1968), जिसे वर्ष 1997 में चीन के संप्रभुत्व में आने के बाद हांगकांग न्यायालयों के नाम में परिवर्तन होने की वजह से भारत सरकार द्वारा जुलाई, 2012 में पुन: अधिसूचित किया गया), वायु सेवा करार (1996), कांसुलर अभिसमय से संबंधित मामलों पर पी आर सी और भारत के बीच पत्रों के आदान प्रदान द्वारा निर्मित करार (दिसंबर 1991), सीमा शुल्क सहयोग करार (1997), पलायन के दोषियों का समर्पण (1997) तथा आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता संबंधी करार (सितंबर 2009), अक्टूबर 1996 / फरवरी 2012 में हस्ताक्षरित हवाई सेवा करार के अनुसरण में हवाई सेवा करारों पर एम ओ यू शामिल हैं।

अधिकृत आर्थिक प्रचालन (ए ई ओ) कार्यक्रमों के संबंध में भारत सरकार के केन्द्रीय सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) और हांगकांग एस ए आर सरकार के सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क विभाग के बीच परस्पर मान्यता व्यवस्था के लिए करार पर हस्ताक्षर नवंबर 2013 में किए गए। इस समय इसके कार्यान्वयन के लिए व्यवस्थाओं पर काम चल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आर बी आई) के डिप्टी गवर्नर हारुन आर खान

की यात्रा के दौरान 17 जुलाई 2014 को पर्यवेक्षी सहयोग तथा सूचना के आदान प्रदान पर हांगकांग मौद्रिक प्राधिकरण (एच के एम ए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आर बी आई) के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। 20 जनवरी 2015 को सजायाफ्ता व्यक्तियों के अंतरण के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए गए जो प्रभावी हो चुका है। भारत और हांगकांग के बीच एक व्यापक दोहरा कराधान परिहार करार (डी टी ए ए) के लिए वार्ता के तीसरे चक्र का आयोजन 21 से 23 दिसंबर 2015 के दौरान हांगकांग में हुआ। अप्रैल 2011 में आयोजित पिछली बैठक की तुलना में तीसरे चक्र की बैठक के दौरान वार्ता में काफी प्रगति हुई। द्विपक्षीय निवेश संवर्धन तथा संरक्षण करार (बी आई पी पी ए) और भारतीय स्वापक नियंत्रण ब्यूरो एवं हांगकांग स्वापक ब्यूरो के बीच नशीली दवा के अवैध व्यापार तथा नशीली दवा के दुरूपयोग से संबंधित सूचना के आदान प्रदान संबंधी समझौता ज्ञापन वार्ता के अधीन हैं।

द्विपक्षीय व्यापार :

हांगकांग भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार गंतव्य (चीन, यू एस और जापान के बाद) है तथा हांगकांग भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार (यू एस, यू ए ई के बाद) है। 2014 में भारत - हांगकांग व्यापार का मूल्य 24.4 बिलियन अमरीकी डालर था (11.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) तथा 239 मिलियन अमरीकी डालर के छोटे से सरप्लस के साथ लगभग समान रूप से हमारे पक्ष में झुका है। इस अवधि के दौरान, भारत से हांगकांग को होने वाला निर्यात 12.3 बिलियन अमेरीकी डॉलर का रहा, जो 10 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। इसमें से हांगकांग ने 11 बिलियन अमेरीकी डॉलर मूल्य की वस्तुओं का दूसरे देशों में निर्यात किया। हांगकांग से भारत को होने वाला कुल निर्यात 12 मिलियन अमेरीकी डॉलर का रहा जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.1 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष 2014 के दौरान हांगकांग के कुल व्यापार में भारत की भागीदारी 2.4 प्रतिशत थी।

हमारे निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत रत्न एवं आभूषण के निर्यात से संबंधित है (भारत में मूल्यवृद्धि, क्योंकि 42 प्रतिशत निर्यात भी इस क्षेत्र से है)। जनवरी से नवंबर 2015 की अवधि के दौरान भारत ने हांगकांग के 7वें सबसे बड़े व्यापार साझेदार के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखा।

भारत से हांगकांग को किए जाने वाले निर्यात उत्पादों में मुख्यत: मोती, कीमती एवं अर्द्ध कीमती पत्थर, चमड़ा, वैद्युत मशीनरी, कपास, मत्स्य एवं क्रसटेशिया, मशीनरी, वस्त्र, जैविक, रासायनिक, आप्टिकल एवं मेडिकल इंस्ट्रूमेंट तथा प्लास्टिक के उत्पाद शामिल हैं जबकि हांगकांग से भारत में होने वाले आयात में मोती, बहुमूल्य एवं अर्द्ध-बहुमूल्य पत्थर, वैद्युत मशीनरी, मशीनरी, प्रकाशिक (ऑपटिक) एवं चिकित्सीय उपकरण, दीवार घड़ी एवं कलाई घड़ी, प्लास्टिक एव इसके उत्पाद, विशेष शैली में बुने गए वस्त्र तथा विविध प्रकार की विनिर्मित वस्तुएं, जैविक रसायन एवं पेपर शामिल हैं।

भारत - हांगकांग व्यापार : सारणी

*(*राशि मिलियन अमेरीकी डॉलर में*)*

निर्यात / आयात	2011		2012		2013		2014		जनवरी - नवंबर, 2015
	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल
भारत से हांगकांग को निर्यात	11,103	+20.6	10,491	-5.5	11,195	+6.7	12,319	+10.0	9,896
हांगकांग से भारत द्वारा आयात	11,989	+25.6	9,895	-17.5	10,680	+7.9	12,080	+13.1	12,022
कुल द्विपक्षीय व्यापार	23,092	+23.2	20,386	-11.7	21,785	+7.3	24,399	+11.5	21,918
व्यापार संतुलन (भारत के लिए)	-886		596		515		239		-2,126

(स्रोत : जनगणना एवं सांख्यिकी विभाग, हांगकांग)

सांस्कृतिक संबंध :

मैत्रीपूर्ण आदान प्रदान का वर्ष (वाई ओ एफ ई) : भारत और चीन के बीच मैत्रीपूर्ण आदान प्रदान वर्ष में 'भारत की झलक' की परिधि के तहत वाणिज्य दूतावास द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 17 से 23 दिसंबर 2014 के दौरान हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय के सहयोग से भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। फिल्म महोत्सव के दौरान समकालीन भारतीय संस्कृति एवं समाज को दर्शाने वाली 7 मूवी (एक मलयालयी मूवी के साथ बालीवुड की 6 अत्यधिक सफल मूवी) तथा हमारे पिछले इतिहास से कहानियों का प्रदर्शन किया गया। 'भारत की झलक' के तहत कार्यक्रमों के अलावा वाणिज्य दूतावास ने अनेक अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सह आयोजन किया जिसमें 26 मार्च 2014 को एंजोली ला मेनन की हाल की कृतियों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन; 19 सितंबर 2014 को प्रतिष्ठित भारतीय समकालीन कलाकारों की कृतियों से युक्त ''कलासूत्र'' नामक एक समकालीन कला प्रदर्शनी का उद्घाटन शामिल है।

'भारत आओ वर्ष, 2015' के अंग के रूप में तथा सांस्कृतिक आदान प्रदान एवं जन दर जन संपर्कों को प्रोत्साहित करने के लिए एशिया सोसाइटी ऑफ हांगकांग के सहयोग से 10 से 13 फरवरी 2015 के दौरान हांगकांग में 'इंडिया बाई दि बे' नाम से एक भारतीय कला एवं संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव का उद्देश्य संगीत, नृत्य, साहित्य एवं फिल्म के क्षेत्रों से कार्यक्रमों के मिश्रण के माध्यम से भारत की विविधता एवं जीवंतता को हांगकांग पहुंचाना था।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में समर्पित करने के लिए 69वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाए गए संकल्प के अवसर पर वाणिज्य दूतावास द्वारा 21 जून 2015 को सन याट सेन स्मारक पार्क में पहले यू एन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयसेजन किया गया। यह हांगकांग में सबसे बड़ा योग कार्यक्रम साबित हुआ जहां हांगकांग के 2000 से अधिक नागरिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए योग के लाभों को जानने तथा सामान्य योग प्रोटोकाल का अनुसरण करने के लिए जमा हुए थे।

उपयुक्त के अलावा वाणिज्य दूतावास समय समय पर अनेक अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है तथा सहायता प्रदान करता है। स्थानीय सांस्कृतिक संस्थाओं एवं संगठनों के माध्यम से बहुत अधिक किस्म की सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

भारतीय समुदाय :

हांगकांग 150 साल से भी अधिक समय से एक विशाल भारतीय समुदाय का निवास स्थान है तथा वैश्विक वित्त एवं व्यापार के केन्द्र के रूप में हांगकांग के उत्थान में इसके योगदान को सभी स्वीकार करते हैं। लंबे समय से उपस्थिति के कारण भारतीय हांगकांग के समाज की मुख्य धारा में अपने आपको समाहित करने में समर्थ हुए हैं। भारतीय समुदाय को अपनी दोहरी विरासत और भारत एवं हांगकांग दोनों के साथ अपने संबंधों को लेकर समान रूप से गर्व है। भारतीय समुदाय के सदस्यों ने हांगकांग में नामचीन संस्थाओं जैसे हांगकांग विश्वविद्यालय, रूट्रोंजी अस्पताल और प्रसिद्ध स्टार फेरी स्थापित की है।
सेवा, उद्योग, बैंकिंग एवं वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, जहाजरानी इत्यादि के क्षेत्र में कार्यरत भारतीय पेशेवर काफी अधिक संख्या में हांगकांग जा रहे हैं। हांगकांग में भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 45000 से अधिक है और उनमें से आधे व्यक्तियों के पास भारतीय पासपोर्ट है। इस भारतीय समुदाय में सिंधी, गुजराती और पंजाबी (सिक्ख) समुदायों के व्यक्तियों की प्रतिशतता अधिक है।

अब तक भारतीय मूल के चार हांगकांग आधारित व्यक्तियों को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया है : डा. हरी हरिलीला (2003), श्री एम अरुणाचलम (2005), श्री रूसी एम श्राफ (2006) और श्री हरिंदरपाल सिंह बांगा (2011)।

भारत – मकाउ द्विपक्षीय संबंध

मकाउ की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार पर्यटन और गैम्बलिंग उद्योग है। मकाउ भारतीयों के लिए एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य बन गया है (मकाऊ के लिए भारत पर्यटन के शीर्ष 10 स्रोतों में शामिल है) तथा पिछले साल मकाऊ का दौरा करने वाले भारतीयों की संख्या 167,000 के आसपास है। मकाउ में एक छोटा भारतीय समुदाय है जो अधिकांशत: गोवा मूल के हैं। इनमें व्यवसायी, सरकारी विभागों में काम करने वाले व्यक्ति और वे लोग शामिल हैं जो होटलों तथा रेस्टोरेंटों एवं गेमिंग उद्योग में काम करते हैं।

भारत ने मकाउ के साथ दो द्विपक्षीय करारों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये हैं, फरवरी 1998 में हस्ताक्षरित वायु सेवा करार और जनवरी 2012 में हस्ताक्षरित टैक्स संबंधी सूचना का आदान-प्रदान करार।

मकाउ के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ रहा है। वर्ष 2015 में कुल व्यापार का मूल्य 17.69 मिलियन यूएस डॉलर रहा, जिसमें से मकाउ को भारतीय निर्यात 13.19 मिलियन यूएस डॉलर और मकाउ से भारत के आयात 4.52 मिलियन यूएस डॉलर मूल्य के थे। भारत से निर्यात किए जाने वाले प्रमुख उत्पादों में शीथ कंट्रासेपटिव, चमड़े की अथवा चमड़े की संरचना में बनी पहनने की वस्तुएं, मछली के सिर, ब्लैक टी एवं मेडिकामेंट शामिल हैं।

भारत - मकाउ व्यापार : सारणी

(राशि मिलियन अमेरीकी डॉलर में)

	2011		2012		2013		2014		2015	
निर्यात / आयात	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)	कुल	वृद्धि (प्रतिशत में)
मकाउ को भारत से निर्यात	5.88	+1.6 प्रतिशत	7.13	+21.2 प्रतिशत	12.20	+70.5 प्रतिशत	9.81	-19.6 प्रतिशत	13.19	+34.4 प्रतिशत
मकाउ से भारत का आयात	0.13	-86.7 प्रतिशत	0.40	+204.7 प्रतिशत	1.81	+351.6 प्रतिशत	2.54	+40.3 प्रतिशत	4.52	+77.9 प्रतिशत
कुल द्विपक्षीय व्यापार	6.01	-11.2 प्रतिशत	7.53	+25.2 प्रतिशत	14.01	+85.4 प्रतिशत	12.35	-11.8 प्रतिशत	17.69	+43.23 प्रतिशत
व्यापार संतुलन (भारत के लिए)	5.75		6.73		10.39		7.27		8.67	

(स्रोत : जनगणना एवं सांख्यिकी विभाग, मकाउ)

उपयोगी संसाधन :

भारत का महाकांसुलावास, हांगकांग वेबसाइट:
http://www.cgihk.gov.in/
भारत का महाकांसुलावा, हांगकांग, फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/pages/

***

जनवरी, 2016